‹iii› नासिक्य = 05 ⟶ ङ्. ञ् ण् न् म्

ClassRoom Notes

<vii> ईषत् स्पृष्ट / संघर्षहीन / अर्द्ध स्वर = य्, व्

<viii> उत्क्षिप्त / आगत / ग्रसीत / द्विगुण / ताड़नजात ⇒ ड़, ढ़

उत्क्षिप्त — फेंका हुआ

टर

य व र ल → अर्द्ध स्वर

य → इ/ई, व → उ/ऊ, र → ऋ, ल → लृ

1) संयुक्त व्यंजन :- दो असमान व्यंजनों से मिलकर बना ध्वनि समूह ।

जैसे :- क्ष = क् + ष, त्र = त् + र, ज्ञ = ज् + ञ, श्र = श् + र

2) असंयुक्त व्यंजन :- सभी व्यंजन [क → ह]

Q. निम्न में से किस विकल्प में संयुक्त व्यंजन नहीं है -

(A) ज्ञान (B) श्रोता (C) अक्षि (D) विद्या

संयुक्त व्यंजन नहीं है -
(A) ज्ञान
(B) अक्षि
(C) विद्या
(D) मोती = म् ओ त् ई

व्यंजन गुच्छ :- संयुक्ताक्षरों को छोड़कर (दो या दो अधिक असमान व्यंजन आए)
चन्द्र = च् अ न् द् र् अ

ह्रस्वता व दीर्घता (द्वितत्वता / द्वित्व) के आधार पर

1) ह्रस्व व्यंजन :- क से ह तक

2) दीर्घ व्यंजन :- दो समान व्यंजनों का एक साथ आगम ।

च्च , ल्ल , ग्ग , श्श

Q. निम्न में से किस विकल्प व्यंजन की द्वितत्वता नहीं है -

(A) सच्चा (B) कुत्ता (C) दिल्ली (D) वल्गा

→ व्यंजन गुच्छ

ClassRoom Notes

अक्षर :- ध्वनियों का ऐसा समूह जिसका उच्चारण करते समय फेफड़ों से छूटती हुआ प्राणवायु मुख विवर से एक झटके के साथ बाहर निकले।

जैसे :- ज्यों, त्यों, क्या, क्यों इत्यादि

Note :- सभी स्वर तथा सभी व्यञ्जन अक्षर ही कहलाते हैं, लेकिन सभी अक्षरों को वर्ण नहीं कहा जा सकता है।

अपभ्रंश भाषा के अनुसार स्वर = (08) [ऋ, ऐ, औ]

वर्ण-गणना

⇒ यदि किसी शब्द के अन्त में 'अ' स्वर आए तो उसकी वर्णों में गणना नहीं होगी।
↳ की कोई मात्रा नहीं होगी।

⇒ मनोहर = म् अ न् ओ ह् अ र् ~~अ~~ = 08

⇒ अन्त्याक्षरी = अ न् त् य् आ क् ष् अ र् ई = 10